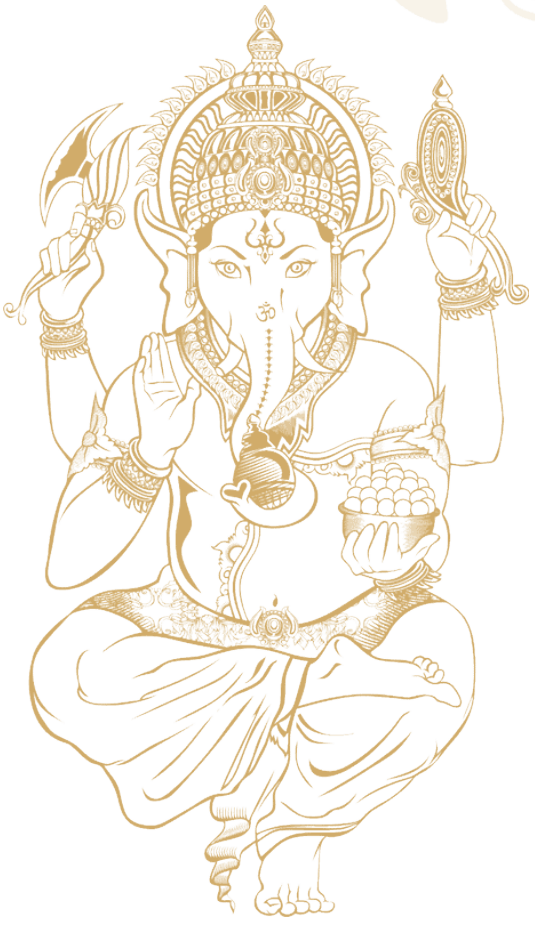

Ankit

Rajni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121832003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/06/1995	जन्म तिथि	20/01/1998
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	21:46:00 घंटे
घटी 37:42:48	जन्म समय(घटी)	38:37:32 घटी
India	देश	India
Kolkata	स्थान	Jhargram
22:34:00 उत्तर	अक्षांश	22:27:00 उत्तर
88:21:00 पूर्व	रेखांश	86:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:24	स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
04:54:52	सूर्योदय	06:24:15
18:24:51	सूर्यास्त	17:22:00
23:47:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 2वर्ष 11मा 0दि		08:27:18	मक	लग्न	कन्या	06:55:55	मंगल 0वर्ष 10मा 10दि	
बुध		13:35:40	मिथु	सूर्य	मक	06:34:27	गुरु	
30/05/2017		00:54:06	कर्क	चंद्र	तुला	05:01:30	01/12/2016	
30/05/2034		23:48:09	सिंह	मंगल	कुंभ	02:27:03	01/12/2032	
बुध	26/10/2019	21:48:11	वृष	बुध	धनु	16:50:52	गुरु	19/01/2019
केतु	23/10/2020	13:26:32	वृश्चि व	गुरु	कुंभ	02:43:41	शनि	01/08/2021
शुक्र	24/08/2023	29:16:12	वृष	शुक्र व	धनु	29:45:33	बुध	07/11/2023
सूर्य	29/06/2024	00:55:03	मीन	शनि	मीन	20:49:10	केतु	13/10/2024
चन्द्र	28/11/2025	09:35:22	तुला व	राहु	सिंह	17:30:19	शुक्र	14/06/2027
मंगल	26/11/2026	09:35:22	मेष व	केतु	कुंभ	17:30:19	सूर्य	01/04/2028
राहु	14/06/2029	05:33:22	मक व	हर्ष	मक	14:23:56	चन्द्र	01/08/2029
गुरु	20/09/2031	00:49:58	मक व	नेप	मक	05:51:05	मंगल	08/07/2030
शनि	30/05/2034	04:26:12	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:32:27	राहु	01/12/2032

लग्न-चलित

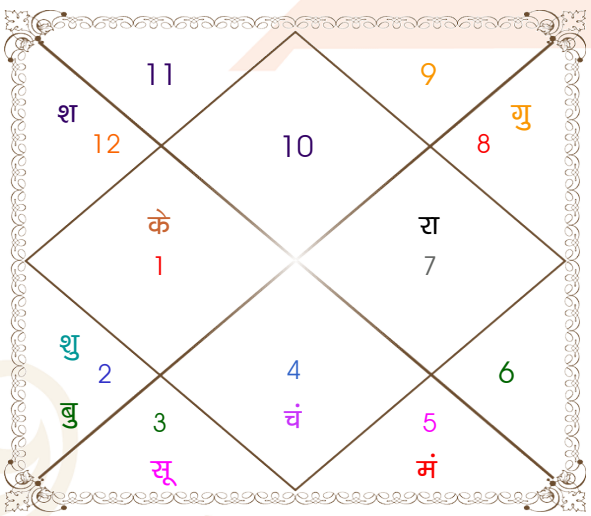

लग्न-चलित

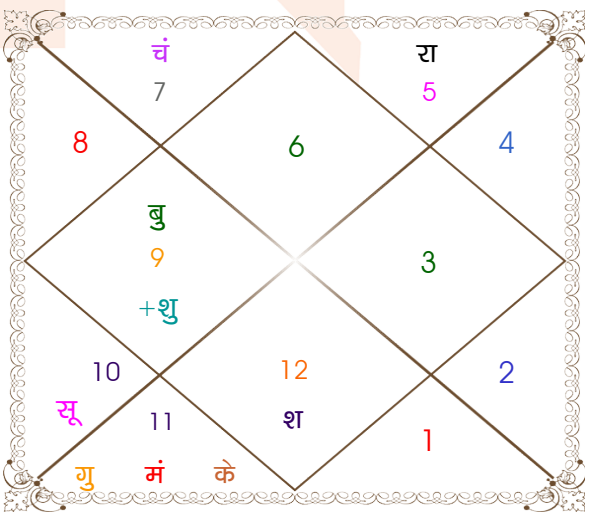

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Ankit का वर्ग मेष है तथा Rajni का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ankit और Rajni का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Ankit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Rajni मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rajni कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ankit तथा Rajni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।